समय : २.३० घंटे **पूर्णांक : ७५**

सूचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |
२. उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक व उप क्रमांक अवश्य लिखें |

प्रश्न १. निम्नलिखित में से किन्ही दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए | **(३०)**

(क) "तुम पढ़े-लिखे हाकिम एलकार सब समझ गए होंगे, इतना तो हमें भरोसा है |"

(ख) "इतिहास की परिधियों से बाहर / नहीं खड़े हुए अपनी इच्छा से
वृत्ताकार दायरें में भी / चक्कर नहीं कांटे
चाँद – तारों के लिए / जोर – जब्बर की दहशत में
नहीं भटके शहर – दर – शहर
दुच्चे लोगों की ठगी ने / बदल दी चेहरों की रंगत
रात और दिन का कभी नहीं जाना / सांसों में भरकर धूल के गुवार
जीये बरसों बरस / उसी तरह जैसे जिये पुरखे
इतिहास जानना / पहचानता / गढ़ना
नहीं सीख पाए "

(ग) "दया धर्म का मुल्य है, पाप मुल्य अभिमान |
तुलसी दया न छोडिये, जब लागि घट में प्राण ||"

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किन्ही दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए | **(३०)**

(च) स्त्री चेतना के बदलते संदर्भों को अभिव्यक्त करने की दृष्टि से 'झूला नट' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए |

(छ) ओमप्रकाश वाल्मीकि ने 'अब और नहीं' कविता संग्रह में भारतीय सामाजिक व्यवस्था का क्रूर चेहरा किस तरह से चित्रित किया है, विस्तार से स्पष्ट कीजिए |

(ज) 'धूणी तपे तीर' उपन्यास में आदिवासियों के संघर्ष को विस्तार से लिखिए |

प्रश्न ३. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए | **(१५)**

(त) ग्रामीण स्त्री-वर्ग की नव्य-चेतना |

अथवा

बालकिशन का चरित्र-चित्रण |

(थ) 'जाति' कविता का भावार्थ |

अथवा

'कथावाचक' कविता में दलित उत्पीड़न |

(द) कुरिया दनोत का चरित्र – चित्रण |

अथवा

'धूणी तपे तीर' उपन्यास में छपन्या का भीषण अकाल |

****

XROYADMINYF20DA5XROYADMINYF20DA5XROYADMINYF20DA5XROYADMINYF20DA5